हरियाणा सरकार
अब्बाकेरी तथा कराशान विभाग

अधिसूचना
दिनांक 16 अप्रैल, 2020

संख्या 36/जीएसटी-2— हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 19) (जिसे, इसमें, इसके पश्चात, उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 148 के साथ पहले धारा 50 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, परिषद की सिफारिशों पर, इसके द्वारा, हरियाणा सरकार, अब्बाकेरी तथा कराशान विभाग, अधिसूचना संख्या 45/एसटी-2, दिनांक 30 जून, 2017, में निर्माणित संस्करण करते हैं, अर्थातः—

संशोधन
हरियाणा सरकार, अब्बाकेरी तथा कराशान विभाग, अधिसूचना संख्या 45/एसटी-2, दिनांक 30 जून, 2017, में, द्वितीय खण्ड के बाद, निर्माणित खण्ड रखा जाएगा तथा 20 गर्जे, 2020 से रखा गया समाप्त जाएगा, अर्थातः—

"3. उन रजिस्तानीकृत व्यक्तियों के वर्ग के लिए, जो निन सारणी के खाना (2) में तत्कालीन प्रविधि में वर्णित है और जिनका प्रणि जीएसटीआर—अधि में बिवरण प्रस्तुत किया अनिवार्य है, किंतु जो देख विधि तक उक्त सारणी के खाना (4) में तत्कालीन प्रविधि में वर्णित मार्गों के लिए कर के बृहत्तान के साथ उक्त बिवरण प्रस्तुत करने में असफल रहे हैं किंतु उक्त सारणी के खाना (6) में तत्कालीन प्रविधि में वर्णित शर्त के अनुसार उक्त बिवरण प्रस्तुत करते हैं, प्रति वर्ग व्यक्ति की दर, नीचे दी गई सारणी (2) के खाना (3) में यथा विनिर्दिष्ट होगी, अर्थातः—

सारणी (2)

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रम संख्या (1)</th>
<th>पर्याप्त व्यक्तियों का वर्ग (2)</th>
<th>ब्याज की दर (3)</th>
<th>कर अवधि (4)</th>
<th>शर्त (5)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>करदाता जिनका पूंजीवादी वित्तीय वर्ग में कुल आवश्यक 5 करोड़ रुपये से अधिक हो</td>
<td>देख विधि से प्र्याम पंडह दिन के लिए चुराया तथा उसके बाद नी प्रतिष्ठात</td>
<td>फरवरी, 2020, गर्जे, 2020 और अप्रैल, 2020</td>
<td>यदि प्रणि जीएसटीआर—अधि में विवरण 24 जून, 2020 या उससे पूर्व प्रस्तुत की जाती है</td>
</tr>
</tbody>
</table>

(587)
<table>
<thead>
<tr>
<th>2. करदाता जिनका पूर्ववती वित्तीय वर्ष में कुल आवार्त 1.5 करोड़ रुपये से अधिक हो लेकिन 5 करोड़ रुपये तक हो</th>
<th>शून्य</th>
<th>फरवरी, 2020 और मार्च, 2020</th>
<th>यदि प्रक्रम जीएसटीआर—ख</th>
<th>शून्य</th>
<th>अप्रैल, 2020</th>
<th>यदि प्रक्रम जीएसटीआर—ख</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td>में विवरणी 29 जून, 2020 या उससे पूर्व प्रस्तुत की जाती है</td>
<td></td>
<td></td>
<td>में विवरणी 30 जून, 2020 या उससे पूर्व प्रस्तुत की जाती है</td>
</tr>
<tr>
<td>3. करदाता जिनका पूर्ववती वित्तीय वर्ष में कुल आवार्त 1.5 करोड़ रुपये तक हो</td>
<td>शून्य</td>
<td>फरवरी, 2020</td>
<td>यदि प्रक्रम जीएसटीआर—ख</td>
<td>शून्य</td>
<td>मार्च, 2020</td>
<td>यदि प्रक्रम जीएसटीआर—ख</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td>में विवरणी 3 जुलाई, 2020 या उससे पूर्व प्रस्तुत की जाती है</td>
<td></td>
<td></td>
<td>में विवरणी 6 जुलाई, 2020 या उससे पूर्व प्रस्तुत की जाती है</td>
</tr>
</tbody>
</table>

अनुसार स्तरों के संबंध में, यह अहम इन्फॉर्मेशन है।

**HARYANA GOVERNMENT**

**EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT**

**Notification**

The 16th April, 2020

No.36/GST-2.— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 50 read with section 148 of the Haryana Goods and Services Tax Act, 2017 (19 of 2017), (hereafter in this notification referred to as the said Act), the Governor of Haryana, on the recommendations of the Council, hereby makes the following amendment in the Haryana Government, Excise and Taxation Department, Notification No.45/ST-2, dated the 30th June, 2017, namely:-

**Amendment**

In the Haryana Government, Excise and Taxation Department, Notification No.45/ST-2, dated the 30th June, 2017, after second paragraph, the following paragraph shall be inserted and shall be deemed to have been inserted with effect from the 20th March, 2020, namely: –

“3. The rate of interest per annum shall be as specified in column (3) of the Table (2) given below, for the class of registered persons, mentioned in the corresponding entry in column (2) of the said Table, who are required to furnish the returns in FORM GSTR-3B but fail to furnish the said return along with payment of tax for the months mentioned in the corresponding entry in column (4) of the said Table by the due date but furnish the said return according to the condition mentioned in the corresponding entry in column (5) of the said Table, namely:-
<table>
<thead>
<tr>
<th>Serial Number (1)</th>
<th>Class of registered persons (2)</th>
<th>Rate of interest (3)</th>
<th>Tax period (4)</th>
<th>Condition</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>Taxpayers having an aggregate turnover of more than rupees 5 crores in the preceding financial year</td>
<td>Nil for first 15 days from the due date, and 9 per cent thereafter</td>
<td>February, 2020, March 2020, April, 2020</td>
<td>If return in FORM GSTR-3B is furnished on or before the 24th day of June, 2020</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>Taxpayers having an aggregate turnover of more than rupees 1.5 crores and up to rupees five crores in the preceding financial year</td>
<td>Nil</td>
<td>February, 2020, March, 2020</td>
<td>If return in FORM GSTR-3B is furnished on or before the 29th day of June, 2020</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td>April, 2020</td>
<td>If return in FORM GSTR-3B is furnished on or before the 30th day of June, 2020</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>Taxpayers having an aggregate turnover of up to rupees 1.5 crores in the preceding financial year</td>
<td>Nil</td>
<td>February, 2020</td>
<td>If return in FORM GSTR-3B is furnished on or before the 30th day of June, 2020</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td>March, 2020</td>
<td>If return in FORM GSTR-3B is furnished on or before the 3rd day of July, 2020</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td>April, 2020</td>
<td>If return in FORM GSTR-3B is furnished on or before the 6th day of July, 2020.</td>
</tr>
</tbody>
</table>

ANURAG RASTOGI,
Principal Secretary to Government Haryana,
Excise and Taxation Department.